Class 8thHindi2
पाठ-17-फागुन में सावन
मौखिक---
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-
(क) 'फागुन में सावन' का क्या अभिप्राय है?
उ०'फागुन में सावन'का अभिप्राय है होली के महीने में सावन के वर्षा वाले मौसम की अनुभूति होना।
(ख) होली में क्या गाने का मन करता है?
उ० होली में कजली गाने का मन करता है।
(ग) सावन में किसकी महक अच्छी लगती है?
उ० सावन में मिट्टी की सौंधी-सौंधी महक अच्छी लगती है।
(घ) कवि किस को देख कर हैरान हो रहा है?
उ० फागुन में सावन देखकर कवि हैरान है।
(ड) कविता एवं उसके रचयिता का नाम बताइए?
उ० कविता- 'फागुन में सावन'और रचयिता शिवमंगल सिंह सुमन।
नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-
(क) बादलों के आने पर क्या हुआ?
उ० बादलों के आने पर बरसात हुई।
(ख)बसंत ऋतु में आपको प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन देखने को मिलते हैं?
उ०बसंत ऋतु में पतझड़ के बाद पेड़ों की डालियों पर नई कोंपले निकलआती हैं,चारों ओर हरियाली छा जाती है और चारों और मन लुभावन दृश्य देखने को मिलने लगते हैं आदि के कारण प्रकृति में परिवर्तन देखने को मिलते हैं।
(ग) उपवन और सूखे वृक्षों पर बसंत में क्या प्रभाव पड़ता है?
उ० उपवन और सूखे वृक्षों पर बसंत में नई कोंपले आ जाती हैं और चारों ओर हरियाली छा जाती है।
(घ) बिना समय के बारिश होने पर आपको कैसा लगता है?
उ० बिना समय के बारिश होने पर मन प्रफुल्लित हो उठता है।
(ड) 'फागुन में सावन'कविता से हमें क्या संदेश मिलता है?
उ०'फागुन में सावन'कविता से हमें संदेश मिलता है कि बिना तपन के जीवन में धन रस की प्राप्ति नहीं होती है।
2. निम्नलिखित पद्यांश का आशय स्पष्ट कीजिए-
सुबह उड़ी थी धूल,
शाम को घिर आए बादल
बासंती रातों में बरसा
किन आंखों का जल ।
उ० कवि कहते हैं अभी सुबह को धूल उड़ी थी फिर शाम होते ही बादल छा गए, फिर बसंती रातों में बरसात हुई ऐसे -जैसे आंखों से जल की वर्षा हो।
3. नीचे दिए गए अर्थ से संबंधित पंक्तियां कविता में से ढूंढ कर लिखिए-
पतझड़ में नंगी हुई डालियां फिर से हरी भरी हो गई। आज फागुन के महीने में वर्षा कैसे होने लगी?
उ० पतझड़ की नंगी डालो में पुलक उठा यौवन।
आज कहां से फिर आ पहुंचा फागुन में सावन!
नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-
हरियाली का स्वप्न थिरकने लगा पुतलियों में,
अलियों का उन्माद कि शोखी आई कलियों में।
(क) हरियाली को कवि स्वप्न की भांति क्यों समझ रहा है?
उ० हरियाली को कवि स्वप्न की भांति समझ रहा है क्योंकि यह बिना समय की हरियाली जैसी है।
(ख) अलियों या भंवरों में उन्माद का क्या कारण हो सकता है?
उ० अलियों या भंवरों में उन्माद का कारण उनकी अंदर की खुशी है।
(ग) ये सब परिवर्तन किस कारण हो रहे हैं?
उ० ये सब परिवर्तन फागुन में सावन जैसा मौसम होने के कारण हो रहे हैं।